ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषिऔर प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :15.12.2023

नैनीताल(उत्तराखंड)के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन:2023-12-15 (अगले5 दिनों के8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	16/12/2023	17/12/2023	18/12/2023	19/12/2023	20/12/2023
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	14.0	14.0	13.0	13.0	14.0
न्यूनतम तापमान(से.)	3.0	4.0	3.0	3.0	3.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	6	8	6
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	1	1	1	2

समसारांश/ चेतावनी:

आने वाले दिनों में बारिश की भविष्यवाणी नहीं की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 13.0-14.0 डिग्री सेल्सियस और 3.0-5.0 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। उत्तर-पश्चिम-उत्तर से 6-8 किमी/घंटा की गति से हवा चलने की संभावना है। इस क्षेत्र में शुष्क मौसम रहने की संभावना है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 15-21 दिसंबर के बीच वर्षा नहीं होने का संकेत देती है और वर्षा में बड़ी कमी, अधिकतम तापमान में सामान्य रुझान और न्यूनतम तापमान में सामान्य से सामान्य से नीचे की प्रवृत्ति की भविष्यवाणी करती है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत" पर अपडेट की जाती है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोग कर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोग कर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। मिग कीट, फ्रूट फ्लाई, गुजिया वीविल और वेबर कीट को नष्ट करने के लिए बागों की गहरी जुताई जरूरी है। दलहनी फसलों की नियमित रूप से गुड़ाई और निराई की जानी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

इस क्षेत्र में शुष्क मौसम का अनुभव होने की उम्मीद है, इसलिए कृषि गतिविधियों का तदनुसार पालन किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक	फसल की निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार नियमित निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए।
तोरिया (लाही/घरिया) और पीली सरसों (राड़ा)	वानस्पतिक/ फूल आना	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार घाटियों और निचली पहाड़ियों में हल्की सिंचाई की जानी चाहिए और कीट/बीमारी के हमले के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
गेहूँ	वानस्पतिक	सिंचित और वर्षा आधारित दोनों स्थितियों में फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और उपयुक्त कृषि पद्धतियों को नियमित रूप से किया जाना चाहिए।
जौ	वानस्पतिक	फसल की निराई-गुड़ाई की नियमित निगरानी करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	रोपाई	प्याज़ के अंकुरित पौधों की रोपाई खाद वाले खेतों में की जा सकती है।
आलू	वानस्पतिक	घाटियों में ठंढ की स्थिति में आलू की फसल को उचित अंतराल पर सिंचित किया जाना चाहिए।
फूलगोभी	वानस्पतिक	रोपाई की गई फूलगोभी की किस्मों में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए तथा निराई-गुड़ाई का कार्य नियमित रूप से करना चाहिए।
पालक	वानस्पतिक	सिंचित घाटी में सिंचाई के बाद मेथी, पालक (पालक) और धनिया में गुड़ाई करनी चाहिए।
सेब, नाशपाती, आड़ू, बेर और खुमानी	पेड़	रोगों की रोकथाम के लिए छंटाई के बाद सेब/नाशपाती/आड़ू/प्लम/खुमानी के पेड़ की अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस/ गाय	जाड़े के दिनों में पशुओं को अतरिक्त ऊर्जा प्रदान करने वाले खाद्य पदार्थों की 25 % मात्रा

	बढ़ाकर देनी चाहिए। बंधे हुए पशुओ को व्यायाम कराये तथा सूर्य की रौशनी आने पर उन्हें पशुशाला के बहार निकलकर धुप में बांधे।
भेड़/बकरी	जानवरों को पाला सूख जाने पर ही घास चराने के लिए ले जाना चाहिए वरना पाले युक्त खाद्य पदार्थों से उन्हें इंटेरोटॉक्सिमिया होने का खतरा रहता है। जानवरों को बाड़े में समय पर ले आना चाहिए ताकि ठण्ड से बचाव हो सके।

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	ठंढ/कोहरा होने पर, नियमित अंतराल पर खेतों में सिंचाई करनी चाहिए।